आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 18.08.2025 समय : 1850

<><><><><><><><>

- उप राष्ट्रपति पद के लिए एन डी ए उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।
- राज्यसभा में भारतीय बंदरगाह विधेयक दो हजार पच्चीस सर्वसम्मति से पारित हुआ। केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा यह विधेयक तटीय राज्यों के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद लाया गया है।
- कृषि विभाग के सहयोग से द्वीपसमूह के गांवों में खरीफ अभियान चलाया गया।
- डीब्रेट में नए प्रवेश लेने वाले डिप्लोमा और डिग्री प्रोग्राम के छात्रों के लिए अनिर्वाय परिचय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

<><><><><><><><>

उपराष्ट्रपति पद के लिए एन.डी.ए उम्मीदवार थिरु सी.पी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी ने अपने एक पोस्ट में लिखा है कि थिरु सी.पी राधाकृष्णन जी से मुलाकात हुई है। उपराष्ट्रपति पद के एन.डी.ए उम्मीदवार बनने पर श्री मोदी ने अपनी शुभकामनाएं दीं हैं। इसके साथ यह भी लिखा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनकी लंबी जनसेवा और अनुभव हमारे राष्ट्र को समृद्ध करेगा। ईश्वर करे कि वे उसी समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें जो उन्होंने हमेशा दिखाया है।

<><><><><><><><>

राज्यसभा में आज भारतीय बंदरगाह विधेयक दो हजार पच्चीस सर्वसम्मति से पारित हो गया। इस विधेयक का उद्देश्य प्रमुख बंदरगाहों सहित अन्य बंदरगाहों के प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्य समुद्री बोर्डों की स्थापना कर उन्हें सशक्त बनाना है। इसके अलावा बंदरगाह क्षेत्र के संरचित विकास को बढ़ावा देने के लिए समुद्री राज्य विकास परिषद की स्थापना करना और बंदरगाहों पर प्रदूषण, आपदा, आपात स्थिति, सुरक्षा, नौवहन तथा डेटा के प्रबंधन की व्यवस्था करना है। यह विधेयक अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत भारत के दायित्वों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा। यह बंदरगाह संबंधी विवादों के निवारण और उनसे जुड़े मामलों के समाधान के लिए न्यायिक तंत्र भी स्थापित करेगा। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह विधेयक सभी तटीय राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद लाया गया है।

<><><><><><><><>

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने "द वेट लॉस रेवोल्यूशन – वेट लॉस ड्रग्स एंड हाउ टू यूज़ देम" नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक को प्रख्यात एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. अंबरीश मिथल और शिवम विज ने लिखा है। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध फिल्म हस्ती शर्मिला टैगोर और मीडिया जगत की जानी–मानी हस्ती शोभना भरतिया भी मौजूद रहीं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पुस्तक ऐसे समय में आई है जब भारत में मोटापा और उससे संबंधित मेटाबोलिक विकारों में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने जागरूकता और सही जानकारी फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही भ्रामक सूचनाओं के खिलाफ भी आगाह किया। भारत, जिसे कभी 'दुनिया की मधुमेह राजधानी' कहा जाता था, अब मोटापे की राजधानी के रूप में भी उभर रहा है और बचपन में मोटापे के मामले में दुनिया भर में तीसरे स्थान पर है। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि केंद्रीय विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मेडिसिन प्रोफेसर के साथ–साथ एक जाने–माने डायबेटोलॉजिस्ट हैं।

<><><><><><><><>

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नकली कीटनाशक और खाद–बीज बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्री चौहान मध्यप्रदेश में नकली दवा छिड़काव से सोयाबीन की फसल को हुए नुकसान का निरीक्षण करने पहुंचे थे। श्री चौहान को नकली खरपतवार नाशक दवा से सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान की शिकायतें मिली थीं। श्री चौहान ने कहा कि ऐसी कंपनियों के खिलाफ पूरे देश में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। श्री चौहान के निर्देश पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा तत्काल जांच समिति गठित कर दी गई है।

<><><><><><><><>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने आज लोकसभा में दो हजार सैंतालीस तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष चर्चा में कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि ऐतिहासिक है। उन्होंने शुभांशु शुक्ला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन सुभांशु शुक्ला पर समूचा देश गर्व का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में कई स्टार्ट–अप काम कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के

दौरान अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी विभाग की भूमिका का उल्लेख करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान इस्तेमाल की गई तकनीकों का विकास भी मोदी सरकार के कार्यकाल में हुआ। अंतरिक्ष क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अंतरिक्ष उपलब्धियों के लिए अंतरिक्ष विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों को बधाई भी नहीं दी।

<><><><><><><>

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत उत्पाद–संचालित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय बौद्धिक संपदा पर आधारित चिप सेट विकसित करना है। सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय दैनिक का लेख साझा करते हुए उन्होंने सेमी–कंडक्टर अभियान, विशेष रूप से डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव–डी.एल.आई योजना का उल्लेख किया। इस योजना का उद्देश्य चिप और डिज़ाइन के क्षेत्र के स्टार्टअप्स को बढावा देना है।

<><><><><><><>

कृषि विभाग के सहयोग से वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र शासित प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी ने द्वीपसमूह के विभिन्न ब्लॉकों में प्रदर्शन, प्रशिक्षण, खरीफ अभियान और ब्लॉक किसान सलाहकार समिति बैठकों सहित कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। अठारह अगस्त को गांधीनगर गाँव में डिगलीपुर ब्लॉक के गौर सी.एच दास के खेत में सुपारी और नारियल के बागानों में मसालों के साथ अंतर–फसल पर एक प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों, आत्मा कर्मचारियों, कृषक मित्रों और स्थानीय किसानों ने भाग लिया। वहीं रंगत के विष्णुपुर गाँव में भी सरपंच समीरन मंडल के खेत में "मछली पकड़ने के दौरान मछली की स्वच्छता से देखभाल और कटाई के बाद की तकनीकों" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला सत्र आयोजित किया गया। लिटिल अंडमान के आर.के.पुर गाँव में रूपचंद बिस्वास के खेत में भी खरीफ अभियान चलाया गया।

<><><><><><><>

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान ने नए प्रवेश लेने वाले डिप्लोमा और डिग्री प्रोग्राम के छात्रों के लिए ए.आई.सी.टी.ई अनिवार्य परिचय कार्यक्रम – प्रवेश दो हजार पच्चीस का शुभारम्भ किया। अठारह अगस्त से छह सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम को प्रथम वर्ष के छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सन्मुख कौर ने संस्थान के परिचय कार्यक्रम में छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को संस्थान के विभिन्न क्लबों, SOCH और NSS गतिविधियोंसे भी परिचित कराया गया।

<><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय की ओर उप निदेशक के पद के लिए भर्ती नियम जारी कर दिए गए हैं। इससे सम्बन्धित सभी प्रकार की जानकारियाँ वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट अंडमान डॉट गॉव डॉट इन पर भी अपलोड कर दी गई है। किसी भी प्रकार की दावे या आपत्तियां प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के भीतर निदेशक, जहाजरानी सेवा निदेशालय को भेज सकते हैं।

<><><><><><><>

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न विषयों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उम्मीदवार नौ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीस अगस्त से आठ सितम्बर के मध्य कार्यालय में जमा करना होगा। ग्यारह सितम्बर को अनंतिम वरीयता सूची प्रदर्शित की जाएगी जबकि दावे या आपत्तियां पंद्रह सितम्बर तक किए जा सकते हैं। अंतिम मेरिट सूची सत्रह सितम्बर को कार्यालय में प्रदर्शित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी कॉमन कॉलेज पोर्टल की वेबसाइट पर क्लिक कर सकते हैं।

<><><><><><><>

अंडमान लॉ कॉलेज में पाँच वर्षीय बी.ए एल.एल.बी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पहली काउंसलिंग छब्बीस अगस्त को सुबह दस बजे कॉलेज सभागार में आयोजित की जाएगी। शैक्षणिक सत्र दो हजार पच्चीस–छब्बीस के लिए उम्मीदवारों की अंतिम मेरिट सूची जारी की जा चुकी है।

<><><><><><><>